OM - 18 - 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 11/29/2021 11:31 AM Page 11

तपस्वी जीवन की प्रतिज्ञा

आप जानते होंगे, पुराने ज़माने में कोई कार्य करना होता था तो ब्राह्मण लोग प्रतिज्ञा करवाते थे, चाहे हथियाला बांधते थे या जल लेकर संकल्प करवाते थे। लेकिन हमें मन में दृढ़ संकल्प करना है, प्रतिज्ञा करनी है। क्या प्रतिज्ञा करें? सबसे पहली प्रतिज्ञा यह है कि मैं अलबेलापन नहीं आने दूंगा। जीवन का यह(अलबेलापन) बहुत बड़ा दुश्मन है। इसको छोटा मत समझो, यह तो बहुत बड़ा धोखेबाज़ है। पाँच विकार भी इससे ही आते हैं। यह आपको बाबा का नाफरमानबरदार बच्चा, कुपुत्र, कुपात्र बनायेगा। इसको छोटा मत समझो, यह भगवान की आज्ञा का उल्लंघन कराने वाला है। जो भगवान की आज्ञाओं का उल्लंघन करता है उसका भगवान से सम्बंध ही टूट जाता है। सम्बंध टूट गया माना ख़त्म, ऊँ शांति।

पहले-पहले यह प्रतिज्ञा करो कि किसी भी परिस्थिति में मैं श्रीमत का उल्लंघन नहीं करूंगा। आलस्य बहुत मीठे रूप में आता है जैसे, आज बारिश है, क्लास में नहीं जा सकता, आज सर्दी है, मेरे कान ठण्डे हो रहे हैं, नाक ठण्डा हो रहा है, कल जाऊंगा, कल डबल योग करूंगा। नहीं, अगर कोई अड़चन आती है तो उसके लिए कोई साधन तैयार करो, उसके लिए अपने नियमों को छोड़ो नहीं। आज इस रूप में आयेगा तो कल दूसरे रूप में आयेगा। इसलिए टालने का, चलाने का यह अलबेलापन जीवन में न आये, इसकी प्रतिज्ञा करो।

दूसरी प्रतिज्ञा है, आलस्य नहीं करना। मान लो, सुबह अमृतवेले योग करते हैं, योग में हल्का-सा आलस्य आता है तो योग करने के बदले नमाज़ पढ़ना शुरू करेंगे। बाबा कहते हैं, आलस्य छठा विकार है। योग में अलर्ट होकर, चुस्त होकर बैठो। आप योग में हैं माना माया के साथ युद्धस्थल में हैं। अगर सिपाही हैं सरहद पर, दुश्मनों की गोली चल रही है और वे सोये हैं तो क्या हाल होगा? अगर पहरेदार ही सोये पड़े हैं तो रक्षा कौन करेगा? बैठे हैं योग में। योग में हमें बाबा से सर्व शक्तियाँ लेकर सारे संसार को, तत्वों को पावन करना है, हमारी इतनी बड़ी ज़िम्मेदारी है और हम झुटके खा रहे हैं! हम यह ध्यान रखें या प्रतिज्ञा करें कि जीवन में सुस्ती या आलस्य आने नहीं देंगे।

तीसरी प्रतिज्ञा करनी है किसी भी प्रकार की अशुद्धि न आये। कौन-सी अशुद्धि? पहली है- बुद्धि की अशुद्धि। जितना-जितना हम योग करते जायेंगे, ज्ञान धारण करेंगे, बुद्धि पत्थर से पारस बनती जायेगी। इसमें रत्न भरते जायेंगे। बुद्धि दिव्य बनती जायेगी, विशाल

बनती जायेगी, उसमें बल भरता जायेगा। सांसारिक ज्ञान बुद्धि को मैला करता है, खराब करता है। ईश्वरीय ज्ञान बुद्धि को शुद्ध करता है। बुद्धि को खराब करने वाली बातें कौन-सी हैं? एक है संशय, फिर है सांसारिक ज्ञान, नॉवेल आदि। दूसरी है मन की अशुद्धि। इसमें दृष्टि-वृत्ति भी आ जाती है। तीसरी है, तन की अशुद्धि। जैसे मल विसर्जन करते हो तो स्नान करो, स्वच्छ वस्त्र पहनो। अपने बिस्तर और रहने-करने के स्थान को साफ रखो। आपका तपस्वी जीवन है, वहाँ का वातावरण भी ऐसा हो। चौथी है, भोजन की अशुद्धि। शुद्ध और सात्विक भोजन के बारे में तो आप जानते ही हैं।

पाँचवी है, अध्ययन की अशुद्धि। कोई ऐसा साहित्य नहीं पढ़ो जिससे मन भ्रमित हो। छठी है, संग की अशुद्धि। कभी कुसंग न करो। सत्संग, सुसंग करो।

सातवीं धन की अशुद्धि। कमाई भी अच्छे काम से होनी चाहिए। गलत काम से होने वाली कमाई भी गलत होती है, अशुद्ध होती है। किसी को झूठ बोलकर, किसी को धोखा देकर, किसी का शोषण कर, किसी का गलत काम कर होने वाली कमाई नहीं होनी चाहिए। अशुद्ध कमाई से लाया गया अन्न भी अशुद्ध होगा, तो हमारा जीवन तपस्वी कैसे होगा?

आठवीं है, वायुमण्डल की अशुद्धि। हमारा आवास-निवास, हमारा घर-कमरा शुद्ध हो। जो लोग आपका निवास देखें उनको अनुभव होना चाहिए कि इनका जीवन योगी जीवन है, तपस्वी जीवन है, इनका घर आश्रम जैसा है। घरों व कमरों में ऐसी कोई चीज़ न हो जो अशुद्ध बात को याद दिलाये। सब शुद्धि की तरफ ले जाने वाली चीज़ें हों। दीवारों पर बाबा के महावाक्य हों, अच्छे-अच्छे स्लोगन हों, ईश्वरीय ज्ञान के चित्र हों। कुल मिलाकर घर का वातावरण साफ और सुथरा हो। ये कुछ प्रकार की शुद्धियां हमने बतायीं, ये प्रतिज्ञा में शामिल हैं।

वैर-भरतपुर(राज.)। संगीतमय आध्यात्मिक राजयोग शिविर के दौरान भजनलाल जाटव,गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री,राजस्थान सरकार के साथ ज्ञान चर्चा कर ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. भावना दीदी,संचालिका,ब्रह्माकुमारीज़,सादाबाद हाथरस। साथ हैं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. बबीता बहन, ब्र.कु. गीता बहन तथा अन्य।

रतलाम-पत्रकार कॉलोनी(म.प्र.)। दीपावली के शुभ अवसर पर जिलाधीश कुमार पुरुषोत्तम तथा उनकी धर्मपत्नी को दीपावली की शुभकामनायें एवं भाई दूज का तिलक व प्रसाद देने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. सविता बहन, ब्र.कु. गीता बहन, समाजसेवी राजेन्द्र पोरवाल तथा अन्य।

सारंगपुर-म.प्र.। भाई दूज के अवसर पर सेवाकेन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग के जिला मंत्री विष्णु पाटीदार, कृषि विस्तार अधिकारी संतोष उपाध्याय, माली समाज अध्यक्ष ओम पुष्पद, सरपंच देव प्रजापति,धनोरा, पूर्व सरपंच नंदकिशोर जी, गौशाला संचालक शिवसिंह जी, रिटा. शिक्षक प्रेमनारायण पुष्पद, पत्रकार दीपक विश्वकर्मा, स्वदीप सोलंकी आदि अतिथियों को आत्म स्मृति का तिलक लगाने एवं ईश्वरीय सौगात भेंट करने के पश्चात् उनके साथ सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. भाग्य लक्ष्मी बहन तथा ब्र.कु. प्रीति बहन।

हल्दवानी-रामपुर रोड(उत्तराखण्ड)। दीपावली के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कैंडल लाइटिंग करते हुए ब्र.कु. नीलम बहन, शिवालिक स्कूल व लॉरेन्स स्कूल के मालिक अनिल जोशी, बिरला सनराइज़ इंश्योरेंस कंपनी के मैनेजर अशोक जोशी तथा अन्य।

कादमा-हरियाणा। श्री राम पब्लिक स्कूल कांगड़ा में आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित 'स्वैच्छिक रक्तदान शिविर' में ब्र.कु. वसुधा बहन को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी जलधीर सिंह कलकल, हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स के जिला सचिव अमित जाखड़ एवं विद्यालय प्रबंधक कमेटी के सदस्य गण।

राँची-हरमू रोड(झारखण्ड)। दीपावली पर आयोजित लक्ष्मी नारायण एवं श्रीकृष्ण की चैतन्य झाँकी के मध्य दीप प्रज्वलित करते हुए बायें से सुधा गोस्वामी, अंजली जी,पूर्व निदेशक,भूगर्भ विभाग, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. निर्मला बहन, विधायक समरी लाल,कांके तथा इंडियन नेवी के कैप्टन रंधीर पाण्डेय। कार्यक्रम में डॉ. रमेश बजाज सहित अन्य विशिष्ट लोग व ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

इंदौर-प्रेमनगर। चतुर्थ राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए डॉ. ए.के. जैन,प्रदेश अध्यक्ष,इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गनाइज़ेशन म.प्र., ब्रजेश गुप्ता,समन्वयक,इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गनाइज़ेशन म.प्र.,प्रबंधक केन्द्रीय भंडारण निगम, ब्र.कु. चंदन मेलवानी, ब्र.कु. शशि दीदी, ब्र.कु. शारदा बहन तथा ब्र.कु. यशवनी बहन।

सादाबाद-उ.प्र.। दीपावली के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए हाथरस जनपद क्षेत्र के राजयोग केन्द्रों की निर्देशिका ब्र.कु. सीता दीदी, सह निर्देशिका ब्र.कु. भावना बहन, ब्र.कु. बबिता बहन,मुरसान, ब्र.कु. शोभा बहन,सासनी, समाज सेविका गीता गौड़, ब्र.कु. मिथलेश बहन, सुभाष चौधरी,गोविंदपुर, समाजसेवी सोम वार्ष्णेय, हीरालाल जी, ब्र.कु. राधा बहन, रामबाबू बघेल, ब्र.कु. कमलेश बहन तथा अन्य भाई-बहनें।

सारनाथ-वाराणसी(उ.प्र.)। सेवाकेन्द्र में आयोजित दीपावली महोत्सव कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. सुरेन्द्र दीदी, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस,लॉ एंड ऑर्डर ए.के. सिंह, राजयोगी ब्र.कु. दीपेन्द्र तथा अन्य विशिष्ट जन।

हजारीबाग-झारखण्ड। विश्व यादगार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात् सड़क सुरक्षा नियमों को पालन करने की अपील के उद्देश्य से कैंडल मार्च निकाला गया। कार्यक्रम में सदर थाना अधिकारी इंस्पेक्टर गणेश कुमार, पूर्व विधायक श्रीमति निर्मला देवी, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. हर्षा दीदी तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।